प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय से 14 कार्मिक सेवानिवृत्त

पंतनगर। 31 अगस्त, 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय से आज 14 कार्मिक सेवानिवृत्त हुए, जिनको कुलपति कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए. के. मिश्रा, ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पुष्पगुच्छ प्रदान किये तथा उनके पेंशन व ग्रेच्युटी प्रपत्र एवं सामान्य भविष्य निधि की राशि के चेक दिये। उप–वित्त नियंत्रक, डा. जे.सी. बडोला, ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने कहा कि इस बार भी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के जीपीएफ का भुगतान ऑनलाइन किया गया। उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एहसान जताते हुए कहा कि उनकी निष्ठा एवं लगन का ही परिणाम है कि आज विष्वविद्यालय उच्च स्थर पर स्थापित है। कुलपति ने कहा कि कर्म ही पूजा है और आषा प्रकट की कि लोग अपने दायित्व का सकारात्मकता के साथ निर्वाह करेंगे और काम में तन्मयता लायेंगे, जिससे ये विष्वविद्यालय प्रथम ही रहेगा। प्रो. मिश्रा ने कहा कि हर माह कम हो रहे मानव संसाधन से विष्वविद्यालय में काम करने वाले हाथों में भी कमी आ रही है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों एवं अधिकारियों से अपेक्षा की कि सेवानिवृत्त के बाद समाज के विकास में योगदान कर विष्वविद्यालय के ऋण से उऋण होंगे। डा. शर्मा ने इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सुखी एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कार्यवाहक अधिष्ठाता कृषि, डा. डी.एस. पाण्डे; निदेषक शोध, डा. एस.एन. तिवारी; तथा अपर निदेषक प्रषासन एवं अनुश्रवण, डा. ए.के. कर्नाटक ने भी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दीं। सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में से डा. केवलानन्द, श्री भूपाल सिंह, एवं श्री शेर अली ने भी अपने उद्‌गार प्रकट किये।

आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा. केवलानन्द, प्राध्यापक; श्री भूपाल सिंह, वैयक्तिक सहायक II; श्री मुरलीधर भट्‌ट, इलैक्ट्रिषियन; श्री दलीप सिंह, चालक ग्रेड–I; श्री शेर अली, ट्रैक्टर चालक; श्री अजय कुमार, एस.बी.ए.; श्रीमती रविन्द्री सिरोही, पत्रवाहक; तथा श्री रमाकान्त, श्री जवाहर साह, श्री छेदी, श्री शंकर, श्री महाजन, श्री चरकू, एवं श्रीमती कलेष्वरी, कृषि श्रमिक, सम्मिलित थे।

सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों के साथ कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा एवं अन्य अधिकारी।